दिनांक 17.04.2026 को जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में आयोजित जल जीवन मिशन "हर घर नल से जल योजना" के कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक 17.04.2026 को जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार– गोण्डा में अपरान्ह 11.00 बजे से प्रारम्भ हुई। बैठक में निम्न अधिकारी एवं कार्यदायी एजेन्सियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे:–

1. श्री महेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, जल निगम (ग्रामीण), गोण्डा।
2. श्री प्रवीण ठाकरे, डिप्टी टीम लीडर, टी.पी.आई. गोण्डा।
3. श्री राम भवन तिवारी, जिला समन्वयक, डी.पी.एम.यू., गोण्डा।
4. श्री सुनील कुमार टीसी, परियोजना प्रबन्धक, मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो, गोण्डा।
5. श्री रोहित सुलेरे, परियोजना प्रबन्धक, मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज(जेवी.), गोण्डा।
6. श्री राजेश मिलाटिया, परियोजना प्रबन्धक, मेसर्स वी.टी.एल. गोण्डा।

कार्य प्रारम्भ की स्थिति :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं के सापेक्ष मात्र 753 नग परियोजनाओं में कार्य प्रारम्भ किया गया, अवशेष परन्तु 30 नग परियोजनाओं में से 14 नग परियोजनाओं के जलकल स्थल विवादित होने के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा सका है। शेष 8 नग परियोजनायें नगर में सम्मिलित, 03 नग परियोजनाओं पर कोर्ट स्टे तथा 05 परियोजनाओं पर लो–लैण्ड होने के कारण कार्य प्रारम्भ की कार्यवाही नहीं की जा सकी है। मेसर्स के.एल.एस. आर.–रेज (जे.वी.) द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं के सापेक्ष मात्र 141 नग परियोजनाओं में कार्य प्रारम्भ किया गया, अवशेष परन्तु 01 नग परियोजनाओं के जलकल स्थल विवादित होने के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा सका है।

बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि जहां पर जलकल स्थल विवादित/अनुपलब्धता है तो उसे शीघ्र निस्तारण कराते हुए कार्य प्रारम्भ करायें तथा जहां पर जलकल स्थल विवाद की स्थिति नहीं है वहां पर एक सप्ताह के अन्दर कार्य प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।

नलकूप बोरिंग का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 परियोजनाओं में लक्षित 773 नग नलकूपों के सापेक्ष 726 नग नलकूपों पर कम्प्रेशर एवं ओ.पी. यूनिट का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा मे0 के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 146 नग नलकूपों के सापेक्ष मात्र 140 नग नलकूपों पर कम्प्रेशर एवं ओ.पी. यूनिट का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

नलकूप बोरिंग के कार्यों की प्रगति संतोषजनक पायी गयी। बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि नलकूपों के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

वितरण प्रणाली का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं में 11810 किमी. वितरण प्रणाली के सापेक्ष 8045 किमी. वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य किया गया है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में 2667 किमी. वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1985 किमी. वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य किया गया है।

वितरण प्रणाली बिछाने के कार्यों में मे0 लारसेन एण्ड टूब्रों की प्रगति काफी धीमी है। बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि वितरण प्रणाली के लक्ष्य को शीघ्र गुणवत्ता पूर्ण प्राप्त कराना सुनिश्चित करें।

सड़क पुर्नस्थापना का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा वितरण प्रणाली बिछाते समय कुल 674 किमी. सड़क तोड़ी/काटी गयी जिसके सापेक्ष 563 किमी. के पुर्नस्थापना का कार्य किया गया है, इसी प्रकार मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज द्वारा 389 किमी. सड़क तोड़ी/काटी गयी है जिसके सापेक्ष 332 किमी. के पुर्नस्थापना का कार्य किया गया है। प्रायः देखा गया है कि पुर्नस्थापना की गयी सड़कों की गुणवत्ता असंतोषजनक है।

– – 2

Scanned with OKEN Scanner

अधिशासी अभियन्ता, टीम लीडर, टी.पी.आई. एवं फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि वितरण प्रणाली बिछाने हेतु काटी गयी सड़कों के पुर्नस्थापना का कार्य गुणवत्ता पूर्वक कराया जाना सुनिश्चित करें, तथा जिन ग्राम पंचायतों में शतप्रतिशत सड़को के पुर्नस्थापना का कार्य पूर्ण कर लिया गया है उसकी सूची एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा वितरण प्रणाली बिछाते समय तोड़ी/काटी गयी सड़कों के रेस्टोरेशन का कार्य गुणवत्ता पूर्ण कराते हुए सम्बन्धित ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव द्वारा उपलब्ध करायी गयी रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें

<u>एफ.एच.टी.सी. का कार्य :–</u>

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं में लक्षित 338835 नग एफ.एच.टी.सी. के सापेक्ष मात्र 111153 नग एफ.एच.टी.सी. का कार्य किया गया है तथा मेसर्स के. एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 87619 नग एफ.एच.टी.सी. के सापेक्ष मात्र 29601 नग एफ.एच.टी.सी. का कार्य किया गया है। अवशेष हाउस कनेक्शन (एफ.एच. टी.सी.) के कार्य को समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

<u>पम्प हाउस का निर्माण का कार्य :–</u>

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं में लक्षित 773 नग पम्प हाउस के सापेक्ष मात्र 693 नग पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर मात्र 548 नग पम्प हाउस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 146 नग पम्प हाउस के सापेक्ष मात्र 130 नग पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर मात्र 96 नग पम्प हाउस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। अवशेष पम्प हाउस का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराते हुए गुणवत्ता पूर्वक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

<u>शिरोपरि जलाशय का निर्माण का कार्य :–</u>

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं में लक्षित 762 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष मात्र 542 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ कर 227 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 142 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष मात्र 121 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ कर 06 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है।

शिरोपरि जलाशय के निर्माण की प्रगति अत्यन्त खराब है, जिस हेतु फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि लेबर एवं मशीनरी इत्यादि बढ़ाते हुए प्रगति में सुधार लाना सुनिश्चित करें।

<u>नियमित जलापूर्ति की स्थिति :–</u>

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो को आवंटित 1261 नग राजस्व ग्रामों के सापेक्ष मात्र 294 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है, मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज को आवंटित 298 नग राजस्व ग्रामों के सापेक्ष मात्र 68 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है

जनपद में नियमित जलापूर्ति की स्थिति अत्यन्त हीं असंतोषजनक है, जिसके लिए बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं के कार्य 90% से अधिक हो गये हैं उन योजनाओं में युद्धस्तर पर कार्य कराते हुए 31 मार्च, 2026 तक कार्य पूर्ण कर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।

<u>संचालन एवं रख–रखाव :–</u>

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा कुल 197 नग परियोजनाओं के संचालन एवं रख–रखाव हेतु ले ली गयी है जिसमें से 98 नग परियोजनाओं का संचालन एवं रख–रखाव का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है शेष 124 नग परियोजनाओं को माह मई, 2026 तक संचालन एवं रख–रखाव प्रारम्भ करा दिया जायेगा। इसी प्रकार मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज कुल 15 नग परियोजनाओं के संचालन एवं रख–रखाव हेतु ले ली गयी है जिसमें से 03 नग परियोजनाओं का संचालन एवं रख–रखाव का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है शेष 12 नग परियोजनाओं को माह अप्रैल, 2026 तक संचालन एवं रख–रखाव प्रारम्भ करा दिया जायेगा।

— — 3

Scanned with OKEN Scanner

अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि दोनों फर्मों की कुल अवशेष 136 नग परियोजनाओं को प्रत्येक दशा में माह अप्रैल, 2026 तक संचालन एवं रख–रखाव प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा कि स्थिति में फर्म के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही हेतु बाध्य होना पड़ेगा। जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होगें।

<u>मैनपावर की उपलब्धता :–</u>

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो को शिरोपरि जलाशय एवं सड़क पुर्नस्थापना के कार्य हेतु कुल 1240 मैनपावर की आवश्यकता है जिसके सापेक्ष वर्तमान में 380 मैनपावर ही कार्यस्थल पर लगाये गये है इसी प्रकार मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज को शिरोपरि जलाशय एवं सड़क पुर्नस्थापना के कार्य हेतु कुल 362 मैनपावर की आवश्यकता है जिसके सापेक्ष वर्तमान में 25 मैनपावर ही कार्यस्थल पर लगाये गये है। उक्त से स्पष्ट है कि एजेन्सियों द्वारा वर्तमान में कार्यस्थल पर लगाये गये मैनपावर कम है जिससे लक्ष्य को समय से प्राप्त किया जाना सम्भव नहीं है।

अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के भीतर आवश्यक मैनपावर बढ़ाते हुए कार्यों में तेजी लाना सुनिश्चित करें अन्यथा कि स्थिति में फर्म के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही हेतु बाध्य होना पड़ेगा। जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होगें।

गत समीक्षा बैठक में फर्मों को निर्देशित किया गया था कि आवश्यक टी.एण्ड पी. एवं लेबर की संख्या बढ़ाकर लक्ष्य को समय से प्राप्त करना सुनिश्चित करें। फर्म के प्रतिनिधियों द्वारा प्रत्येक बैठकों में यह आश्वासन दिया जाता रहा है कि आवश्यक टी.एण्ड पी. एवं लेबर बढ़ाकर लक्ष्य को प्राप्त कर लेगें। लेकिन बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में टी.एण्ड पी. एवं लेबरों की संख्या में बढ़ोत्तरी नहीं की गयी। जिससे वर्तमान तक भौतिक प्रगति में वांछित वृद्धि परिलक्षित नहीं हो रही है। उक्त के अतिरिक्त अधिशासी अभियन्ता को यह भी निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं पर जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी गयी है, उनकी सूची एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जल निगम द्वारा पूर्व निर्मित कुल 152 नग परियोजनाओं के संचालन एवं अनुरक्षण हेतु राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा चयनित एजेन्सी मे0 वी.टी.एल. द्वारा कार्य कराया जा रहा है। जिसमें से वर्तमान में 17 नग ग्रामीण पेयजल योजनायें पूर्ण क्षमता पर, 54 नग ग्रामीण पेयजल योजनाओं पर आंशिक रूप से जलापूर्ति प्रारम्भ करा दी गयी है।

उक्त हेतु अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि उक्त 46 नग आंशिक क्षमता पर संचालित परियोजनाओं को पूर्ण क्षमता पर क्लोरीन युक्त जलापूर्ति कराते हुए शेष 94 नग परियोजनाओं पर शीघ्र अवशेष कार्यो को पूर्ण कराते हुए स्वच्छ जलापूर्ति कराना सुनिश्चित करें।

उक्त के अतिरिक्त निम्न महत्वपूर्ण विन्दुओं पर भी विचार–विमर्श किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

1. वर्ष 2014–15 में परसपुर पेयजल योजना का निर्माण कार्य किया गया था, जिसमें परसपुर ग्राम पंचायत के समस्त मजरे आच्छादित थे। परसपुर नगर पंचायत का सृजन होते समय परसपुर ग्राम पंचायत के 11 मजरे नगर में सम्मिलित नही किये गये थे, जिसको लेकर एक ग्राम पंचायत का गठन हुआ है। पेयजल योजना की समस्त संरचनायें (जल–कल स्थल सहित) नगरीय क्षेत्र अन्तर्गत आ गयी हैं, जिससे उक्त 11 मजरे हेतु एक नवीन उच्च जलाशय एवं तत्सम्बन्धित कार्य कराया जाना होगा। इस क्रम में निर्देशित किया गया कि उक्त ग्राम पंचायत का डी0पी0आर0 यथाशीघ्र जल निगम मुख्यालय/एस0डब्ल्यू0एस0एम0 लखनऊ प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।
2. सुजलाम भारत ऐप के माध्यम से सुजलाम आई.डी. के अन्तर्गत दर्शाये गये ऐसेट की जियो गैगिंग कराया जाना है। उक्त क्रम में अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि सुजलाम आई.डी. बनने के उपरान्त जियो टैगिंग का कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। इस सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि जिन परियोजनाओं की सुजलाम आई.डी. बन गयी है उनकी जियो टैगिंग तत्काल कराना सुनिश्चित करें।
3. पाइप पेयजल परियोजनाओं के सुचारू रूप से संचालन हेतु पंचायत सचिव के द्वारा जल आंकलन हेतु मूल्यांकन प्रपत्र ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति (VWSC) से सम्यक विचारोपरान्त ई–ग्राम स्वराज पोर्टल के माध्यम से जे.जे.एम. डैशबोर्ड 2.0 पर भरा जाना है। उक्त के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 284 नग परियोजनाओं का जल आंकलन कराया जाना है जिसके सापेक्ष वर्तमान तक 280 नग परियोजनाओं का जल आंकलन

– – 4

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति (VWSC) से सम्यक विचारोपरान्त ग्राम स्वराज पोर्टल जे.जे.एम. डैशबोर्ड 2.0 पर भरा गया है। अवशेष का कार्य प्रगति पर है। इस सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि उक्त कार्य डी.पी.एम.यू. के कार्मिकों को लगा कर शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

4. पाइप पेयजल परियोजनाओं को भौतिक रूप से पूर्ण होने के उपरान्त जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जल अर्पण दिवस आयोजित कराने के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि जन प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित किया जा रहा है। शीघ्र ही जल अर्पण का कार्य कराया जायेगा। उक्त के क्रम में अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि आगामी जल महोत्सव दिनांक 08 मार्च, 2026 से 22 मार्च, 2026 के मध्य में न्यूनतम 02 परियोजनाओं का जल अर्पण कराना सुनिश्चित करें।

5. ग्रामीण जलापूर्ति कार्यों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने तथा निष्पादित कार्यों की
निगरानी को सुदृढ़ करने में तृतीय–पक्ष निरीक्षण एजेंसियों(TPIAs) की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान
में रखते हुए TPIAs द्वारा किए जाने वाले विशिष्ट कार्यों की समीक्षा किया जाना है। इस सम्बन्ध
में Third Party Inspection(TPI) द्वारा किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि
शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य करते समय ही एन.सी. जारी कर कार्य को गुणवत्तापूर्वक पूर्ण
कराना सुनिश्चित करें। उक्त के क्रम में टी.पी.आई. को निर्देशित किया गया कि कार्यस्थल पर
नियमित निरीक्षण करते हुए कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

6. स्रोतों की स्थिरता सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया
कि अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के पत्रांक 2947 / जे.जे.एम. /
2025–26 / Tech-20 दिनांक 10.12.2025 में दिये गये निर्देशों के अनुसार टीम गठित कर स्रोतों
की स्थिरता की कार्ययोजना तैयार कर प्रेषित किया जाना है। उक्त सम्बन्ध में अधिशासी
अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि स्रोतों की स्थिरता हेतु जनपद में अधिशासी अभियन्ता जल
निगम(ग्रामीण), अधिशासी अभियन्ता(नि. / यां.) जल निगम(ग्रामीण), अधिशासी अभियन्ता सिंचाई
विभाग एवं वरिष्ठ हाईड्रोलोजिस्ट भूगर्भ जल विभाग के साथ एक टीम गठित कर अधिशासी
निदेशक, राज्य पेयजल एव स्वच्छता मिशन के उक्त पत्र के अनुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित
करें।

7. जनपद में अनुरक्षणाधीन पाइप पेयजल परियोजनाओं के कुशल संचालन हेतु अधिशासी अभियन्ता
द्वारा अवगत कराया गया कि मुख्य सचिव महोदय, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के शासनादेश
संख्या 7 / 2026 / 493 / छिहत्तर–1–2026 (2027542) दिनांक 28.02.2026 द्वारा जनपद में
अनुरक्षणाधीन पाइप पेयजल परियोजनाओं के कुशल संचालन हेतु जिला तकनीकी इकाई(DTU)
का गठन किया जाना है। उक्त के क्रम में अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि
DTU का गठन करने हेतु पत्रावली प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

(प्रियंका निरंजन)
जिलाधिकारी,
गोण्डा।

कार्यालय जिलाधिकारी, गोण्डा।

पत्रांकः 1122 / m-50 / 21 दिनांकः 28 / 04 / 2026

प्रतिलिपिः– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
2. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण), गोण्डा।
4. मुख्य विकास अधिकारी–गोण्डा।

जिलाधिकारी,
गोण्डा।

Scanned with OKEN Scanner